प्रवासी भारतीयों को जोड़ेगा, कामगारों को रोजगार देगा वेब पोर्टल

मुख्यमंत्री योगी ने प्रवासी भारतीय विभाग के पोर्टल का किया शुभारंभ

अमर उजाला ब्यूरो

प्रवासी भारतीय विभाग के एकीकृत वेबपोर्टल के शुभारंभ के अवसर पर मौजूद सीएम योगी आदित्यनाथ।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रवासी भारतीय विभाग के एकीकृत वेबपोर्टल का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह पोर्टल युवाओं व कामगारों को रोजगार, नौकरी दिलाने और प्रवासी भारतीयों को उनकी जड़ों से जोड़ने के साथ उनकी समस्याओं के समाधान में मददगार बनेगा।

मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि यह पोर्टल इन्वेस्ट यूपी के तहत पूंजी निवेश बढ़ाने, प्रवासी भारतीयों की क्षमता, योग्यता और ताकत के अनुसार प्रदेश के विकास में भागीदार बनाने और उनके साथ संवाद का मंच बनेगा। पोर्टल पर्यटन की संभावनाओं को असीमित विस्तार देगा। कार्यक्रम में औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना, अपर मुख्य सचिव अवस्थापना, औद्योगिक विकास एवं एनआरआई आलोक कुमार, मुख्य सचिव आरके तिवारी, मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार केवी राजू, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टंडन, अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव श्रम सुरेश चंद्रा, अपर मुख्य सचिव एमएसएमई नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव व्यावसायिक शिक्षा एस. राधा चौहान, प्रमुख सचिव पर्यटन जितेंद्र कुमार मौजूद रहे।

कामगारों व एनआरआई की समस्याओं का होगा समाधान

योगी ने कहा कि विदेशों में रोजगार के लिए जाने वाले कामगारों में सर्वाधिक भागीदारी यूपी की है। इन कामगारों व प्रवासी भारतीयों के भूमि विवाद, पैतृक निवास स्थान पर परिजनों का उत्पीड़न, संकटकाल में फंसे प्रवासी भारतीयों की सुरक्षित स्वदेश वापसी, विदेश में रोजगार नियोक्ता द्वारा शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न, भर्ती व विदेश आवागमन जैसी समस्याएं रहती हैं। यह पोर्टल इस तरह की ऑनलाइन प्राप्त शिकायतों व समस्याओं का निस्तारण कराएगा।

10 विभागों से जोड़ा गया पोर्टल, मिलेंगी सभी सूचनाएं

एनआरआई व निवेश प्रोत्साहन मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि इस पोर्टल से प्रदेश में निवेश प्रोत्साहन के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और निवेशोन्मुखी नीतियों का विदेशों में बसे प्रवासी भारतीयों में प्रचार-प्रसार हो सकेगा। इस पोर्टल को उद्योग बंधु, एमएसएमई, टूरिज्म, हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग, गृह, राजस्व, औद्योगिक विकास, कौशल विकास एवं व्यावसायिक शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा सूचना सहित 10 विभागों के पोर्टल से लिंक किया गया है।

कोरोना महामारी के दौर में स्टार्टअप और एमएसएमई उम्मीद की नई किरण : योगी

ग्रीन बिल्डिंग के रूप में विकसित होगा 'स्वावलंबन केंद्र'

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि कोरोना महामारी के दौर में स्टार्टअप और एमएसएमई उम्मीद की नई किरण है। इस चुनौतीपूर्ण समय में सपनों को साकार करने तथा अर्थव्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने में सिडबी की एक बहुत बड़ी भूमिका हो सकती है।

उन्होंने कहा कि इस दृष्टि से मई में उत्तर प्रदेश सूचना प्रौद्योगिकी एवं स्टार्ट-अप नीति के तबत सिडबी को प्रथम किस्त के रूप में 15 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। साथ ही, 'फंड ऑफ फंड्स' की व्यवस्था के लिए शासन द्वारा सिडबी के साथ समझौता ज्ञापन का औपचारिक आदान-प्रदान भी किया गया था। सीएम ने 'स्वावलंबन केंद्र' का डिस्प्ले मॉडल देखकर कहा कि यह बिल्डिंग ग्रीन बिल्डिंग के रूप में विकसित की जाएगी। इसमें ऊर्जा, जल, वेस्ट प्रोडक्ट की बचत के साथ-साथ जल की रीसाइकिलिंग और रीचार्जिंग की व्यवस्थाएं होंगी। एमएसएमई सेक्टर के प्रोत्साहन के लिए यहां जो व्यवस्थाएं की गई हैं, वह अत्यंत महत्वपूर्ण और आज की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार की ओडीओपी योजना एमएसएमई सेक्टर के लिए गेम चेंजर का काम कर रही है। भारत सरकार ने भी ओडीओपी को अपने अभियान का हिस्सा बनाकर प्रत्येक राज्य को इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

सिडबी के अध्यक्ष मोहम्मद मुस्तफा ने बताया कि 'स्वावलंबन केंद्र' यहां शहीद पथ पर लगभग 1 एकड़ में बनेगा। इसमें सौर ऊर्जा का भी उपयोग होगा। इसमें 500 लोगों की क्षमता के मल्टी परपज हॉल के साथ 50 लोगों की क्षमता के 4 मीटिंग रूम भी होंगे। इसमें लाइब्रेरी तथा अन्य सुविधाएं भी रहेंगी। इसमें एमएसएमई इकाइयों के लिए प्रदर्शनी स्थल की भी व्यवस्था भी होगी। इस अवसर पर औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना, एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, मुख्य सचिव आरके तिवारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री आज करेंगे 37 भंडारगृहों का ऑनलाइन शिलान्यास

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अपने आवास से 187 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 37 भंडारगृहों का ऑनलाइन शिलान्यास करेंगे। ये भंडारगृह उप्र राज्य भंडारण निगम बना रहा है।